Carrying of arms in aeroplanes

*283. SHRI MOTILAL VORA: Will the Minister of CIVIL AVIATION be pleased to state:

(a) the total number of incidents of travelling illegaly with arms etc. in aeroplanes during last one year;

(b) the names of persons found responsible for these incidents and the action taken against them;

(c) whether it is a fact that Government had decided to send Commandoes in aeroplanes; and

(d) if so, to what extent this proposal has been implemented so far?

THE MINISTER OF CIVIL AVIATION (SHRI SYED SHAHNAWAZ HUSSAIN): (a) to (d) A statement is laid on the Table of the Sabha.

Statement

(a) During the year 2002, there was one incident of this nature, on Air Seychelles flight on 9th September, 2002, which was operating from Mumbai to Seychelles *via* Male.

(b) Sub-Inspector C. Sharma, Asstt. Sub-Inspector Jagjivan Singh and Sub-Inspector N. N. Meena of CISF have been chargesheeted. The State Government of Maharashtra has been asked to take action against the officials of Mumbai Police who were performing security duties at the time of the incident and send a report. The report is awaited from the State Government.

(c) and (d) Yes, Sir. Commandos are operating on domestic flights of Indian Airlines since January, 2000 and on flights of Jet Airways and Air Sahara since October, 2001.

श्री मोती लाल वोरा: माननीय सभापति महोदय, मैं माननीय मंत्री जी से यह जानना चाहता हूं कि सन् 2002 में 9 सितम्बर को मुम्बई से माले होकर सेशल्ज जाने वाली जो उड़ान थी उसमें गैरकानूनी तरीके से हथियार लेकर यात्रा कर रहे कितने व्यक्ति थे, वह किस देश के थे और उनके पास से कितने हथियार बरामद हुए? प्रथम प्रश्न। उसके बाद दूसरा प्रश्न पूछूंगा।

श्री सैयद शाहनवाज हुसैन: सभापति जी, 9 सितम्बर, 2002 को माले होकर जाने वाली सेशल्ज की उड़ान एच॰ एम॰-017 में भारतीय पासपोर्टधारी भारतीय यात्री चन्द्रबाबू शशीराज द्वारा 3.5 इंच का शॉर्प ब्लेड लेकर फ्लाइट को लैंड करने से 30 मिनट पहले उसने काकपिट में घुसने का प्रयास किया। वह भारतीय नागरिक था और उसको वहां केबिन क्रू ने पकड़ लिया। उसके बारे में जांच की गई कि वह डिप्रेशन का मरीज रहा है और जांच के बाद यह भी पता किया गया कि कोई इस तरह की अपहरण की कोशिश में वह शामिल नहीं रहा बल्कि डिप्रेशन की वजह से उसने यह घटना करनी चाही।

श्री मोती लाल वोरा: माननीय सभापति जी, माननीय मंत्री जी ने कहा कि वह व्यक्ति डिप्रेशन में था। अगर वह डिप्रेशन में नहीं होता, तो किस प्रकार की घटना घट सकती थी। इसकी जवाबदारी जो हमारा हवाई अड्डा है, जिस पर इतनी जांच होती है, उस जांच के बाद भी वह व्यक्ति वहां पहुंच गया और उसके बारे में यह कहना कि वह डिप्रेशन में था, डिप्रेशन में व्यक्ति कॉकपिट के पास पहुंच गया, मैं नहीं समझता उसके इरादे किस प्रकार के थे। माननीय मंत्री जी का जवाब मेरी दृष्टि में जो मैंने प्रश्न पूछा है, उसके अनुरूप नहीं है।

मेरा दूसरा प्रश्न यह है कि जिन अधिकारियों को आपने चार्जशीट दी है, उनको लगभग तीन महीने का समय हो गया है। महाराष्ट्र-सरकार के जो पुलिसकर्मी थे, उनसे भी आपने पूछा है और उनसे भी कोई जवाब नहीं आया है। माननीय सभापति महोदय, अंत में माननीय मंत्री जी ने कहा है कि जनवरी, 2000 से इंडियन एयरलाइंस, जेट एयरवेज और सहारा की उड़ानों में कमांडों तैनात किए गए हैं। मैं माननीय मंत्री जी से यह जानना चाहता हूं कि क्या आपने एयर इंडिया में भी कमांडों की नियुक्ति की है या कमांडों को रखा है?

श्री सैयद शाहनवाज हुसैन: सभापति जी, 9 सितम्बर, के करीब यह घटना हुई थी, उससे पहले सी॰आई॰एस॰एफ॰ को मुम्बई एयरपोर्ट का चार्ज दिया गया था। तीन लोगों ने इसमें कौताही बरती थी, उनको सस्पैंड कर दिया गया है। मुम्बई पुलिस के तीन अधिकारियों के विरुद्ध कार्यवाही करने के लिए हमने मुम्बई पुलिस को लिखा है। वैसे पूरे साल में करीब तीन करोड़ यात्री सफ़र करते हैं, उसमें यह एक घटना हुई है। और उस पर हमने कार्यवाही की है।

दूसरा प्रश्न जो माननीय सदस्य ने उठाया है। स्काई मार्शल की तैनाती के सवाल पर अभी इंटरनेशनल एयरलाइन्स में स्काई मार्शल की तैनाती नहीं हुई है क्योंकि इकाऊ ने इसके लिए अलाऊ नहीं किया है।

श्री सतीश प्रधान: धन्यवाद सभापति जी। मैं एक बात माननीय मंत्री जी से जानना चाहता हूं कि कौन-सी तारीख को सी॰आई॰एस॰एफ॰ के आफीसर्स को आपने चार्जशीट दी, महाराष्ट्र सरकार को आपने कौन-सी तारीख को खत लिखा जिसमें आपने मुम्बई पुलिस के ऊपर एक्शन लेने के लिए कहा और महाराष्ट्र सरकार ने इतनी बड़ी घटना होने के बाद सुओमोटो एक्शन क्यों नहीं लिया?

एक बात मैं यह भी जानना चाहूंगा कि हवाई जहाज में जो टॉयलेट होते हैं वे कॉकपिट की बगल में होते हैं। क्या आप उसकी सिचुएशन बदलने के बारे में विचार करेंगे? टायलेट जाने के बहाने कॉकपिट में आना-जाना आसान हो जाता है, लोग आसानी से कॉकपिट में पहुंच जाते हैं।

श्री सैयद शाहनवाज हुसैन: माननीय सभापति जी, नागर विमानन मंत्रालय ने 14 सितम्बर को दो सदस्यीय टीम जो श्री आर॰ पी॰ सिंह, एडीशनल कमिश्नर बी॰एस॰सी॰एस॰ हैं, उनके नेतृत्व में भेजा था। उसके बाद हमने इसकी जांच की, जांच करने के बाद तीन अधिकारियों को हमने चार्जशीट दे दी और मुम्बई पुलिस को भी हमने लिखा था, उनके तीन अधिकारी भी उस समय ड्यूटी पर थे, उनको लिखा है। ...(**व्यवधान**)...

श्री सतीश प्रधान: वह कब लिखा है?

श्री सैयद शाहनवाज हुसैन: उसके दस दिन के बाद ही लिखा हैं, मैं एडजेक्ट डेट के बारे में आपको पत्र के माध्यम से बता दूंगा, लेकिन सेक्रेटरी, सिविल एविएशन ने चीफ सेक्रेटरी को लिखा है और उन्होंने कहा है कि उस वक्त सी॰आई॰एस॰एफ॰ ट्रेनिंग पर थी और मुम्बई पुलिस की जिम्मेदारी उस समय एयरपोर्ट की थी, सी॰आई॰एस॰एफ॰ ने जो फोर्स उसकी वहां पर तैनात थी, उसके खिलाफ कार्यवाही की है, हमने मुम्बई पुलिस से भी कहा है कि जो तीन आफिसर्स मुम्बई पुलिस के थे, उनके खिलाफ भी कार्यवाही की जाए।

SHRI SANTOSH BAGRODIA: Mr. Chairman, Sir, the statement sounds to me contradictory because the hon. Minister has mentioned in reply to part (b) of the question that the report is awaited from the State Government. Sir, even before the Report is received, the Minister states that the gentleman was under depression. Now, it is not important whether he was under depression or not, or, he was alert or not. But the point is whether our security was alert or not, or, whether they were under depression, because it is important to know how and why it happened. It is not important to know what was the condition of that man. Sir, there are incidents of misbehaviour by commandos on aircraft. What action are you taking to see that the commandos do not misbehave with the passengers, especially women passengers, and also with the airhostesses?

श्री सभापति: बहुत अच्छा है। आपको तो बहुत जानकारी है।

श्री सैयद शाहनवाज हुसैन: सभापति महोदय, मैंने प्रश्न के जवाब में यह कहा है कि जांच की रिपोर्ट का जहां तक सवाल है, एक ऐक्सरे मशीन के पास जो तीन ऑफिसर हैं, उन्होंने कोताही बरती है। उसकी जांच के संबंध में मैंने नहीं कहा। मैंने यह कहा है कि वह दोषी पाए गए हैं और

हमने उनको लिख दिया है। दूसरा सवाल स्काई मार्शल के बिहेवियर के बारे में पूछा है, उसके बारे में आप अलग से प्रश्न पूछ सकते हैं।

श्री संतोष बागड़ोदिया: अगर आपने उन्हें दोषी मान लिया है तो एक्शन लीजिए।

श्री सैयद शाहनवाज हुसैन: एक्शन महाराष्ट्र सरकार को लेना है और हमने उन्हें लिख दिया है।

*[*284. The questioners (Shri Raju Parmar and Shri Bhagatram Manhar) were absent for answer vide pages 33—37]*

Consultation with States for Service Tax

*285. SHRI RAVULA CHANDRA SEKAR REDDY:†
DR. T. SUBBARAMI REDDY:

Will the Minister of FINANCE AND COMPANY AFFAIRS be pleased to state:

(a) whether the Ministry of Finance, in consultation with States, has decided to allow States to tax some services;

(b) if so, whether the meeting of the Chief Ministers has been convened by the Prime Minister to work out the legislative framework for empowering the States to tax services;

(c) whether Government have also agreed to route all the funds to centrally sponsored schemes through the State Governments; and

(d) if so, by when final decision in this regard is likely to be taken?

THE MINISTER OF FINANCE AND COMPANY AFFAIRS (SHRI JASWANT SINGH): (a) to (d) A statement is placed on the table of the House.

Statement

(a) The States have taken a unanimous decision to replace their existing sales tax system with Value Added Tax System from 1st April, 2003. In this context, also to widen their tax base, the States have suggested that the benefit of tax on Services should, in part, be extended to them as well. Appropriate action in this regard has been initiated by the Central Government.

†The question was actually asked on the floor of the House by Shri Ravulá Chandra Sekar Reddy.